भक्ति कर भगवत की भाई,
भक्ति कर भव पार उतरले,
जीव परम पद पाई।।

भक्ति कीदी ध्रुव भगत ने,
जा कर वन रे मांही,
अटल राज प्रभुजी ने दीना,
कीदी सफल कमाई।।

भगत प्रहलाद रटे राम ने,
हिरणाकुश दु:ख दाई,
नरसिंह रूप धार हरी आए,
नख से दियो मराई।।

सोने री गढ लंका ज्यारे,
सात समन्द सी खाई,
रावण सरीके चले गए बंदे,
तेरी क्या ठहराई।।

भुगते जीव भजन बिन जग मे,
लख चोरासी मांही,
सदानन्द कहे सुणो भाई साधो,
अवसर बीतो जाई।।

भक्ति कर भगवत की भाई,
भक्ति कर भव पार उतरले,
जीव परम पद पाई।।

भजन गायक चम्पा लाल प्रजापति।
मालासेरी डूँगरी 89479-15979

Source: https://www.bharattemples.com/bhakti-kar-bhagwat-ki-bhai/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw